

МИНИСТЕРСТВО СЕЛЬСКОГО ХОЗЯЙСТВА РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ
Департамент научно-технологической политики и образования

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования "Красноярский государственный аграрный университет"

План одобрен Ученым советом вуза
Протокол № 7 от 28.03.2025

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

35.03.07

35.03.07 Технология производства и переработки сельскохозяйственной продукции

Направленность Технология производства и переработки продукции животноводства
(профиль):

Кафедра: Зоотехния и технология переработки продуктов животноводства
Институт: Прикладной биотехнологии и ветеринарной медицины

Квалификация: Бакалавр

Форма обучения: Заочная форма

Срок получения образования: 4 г. 9 м.

Год начала подготовки (по учебному плану) 2022
Учебный год 2025-2026
Образовательный стандарт (ФГОС) № 669 от 17.07.2017

| Код | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты |
|--------|---|
| 13 | СЕЛЬСКОЕ ХОЗЯЙСТВО |
| 13.017 | АГРОНОМ |

Типы задач профессиональной деятельности

научно-исследовательский

производственно-технологический

организационно-управленческий

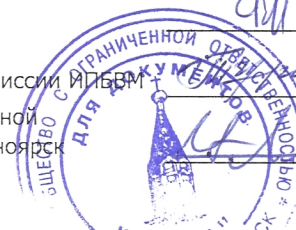
СОГЛАСОВАНО

проректор по УВРИМП

начальник УМО

и.о. директора ИПБВМ

председатель методической комиссии ИПБВМ
старший технолог по сырокопченой
продукции, ООО "Ярск", г. Красноярск



Календарный учебный график

[illegible]

Сводные данные

| | | Курс 1 | Курс 2 | Курс 3 | Курс 4 | Курс 5 | Итого |
|-------------------|---|---------------|---------------|---------------|---------------|--------------|---------|
| | Теоретическое обучение | 34 4/6 | 30 5/6 | 29 1/6 | 27 2/6 | 9 1/6 | 131 1/6 |
| Э | Экзаменационные сессии | 6 | 6 | 6 4/6 | 7 1/6 | 7 | 32 5/6 |
| У | Учебная практика | | 4 | 4 4/6 | | | 8 4/6 |
| П | Производственная практика | | | | 6 | 9 2/6 | 15 2/6 |
| Д | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | | | | | 4 | 4 |
| К | Продолжительность каникул | 62 дн | 63 дн | 63 дн | 64 дн | 49 дн | 301 дн |
| * | Нерабочие праздничные дни (не включая воскресенья) | 14 дн | 14 дн | 14 дн | 14 дн | 14 дн | 70 дн |
| Продолжительность | | 365 дн | 367 дн | 365 дн | 365 дн | 273 дн | |
| Високосный год | | - | - | - | - | - | |

| Region | | Period 1 (2010-2011) | | | | | | | | | | | | Period 2 (2012-2013) | | | | | | | | | | | | Period 3 (2014-2015) | | | | | | | | | | | | Period 4 (2016-2017) | | | | | | | | | | | | Period 5 (2018-2019) | | | | | | | | | | | | Period 6 (2020-2021) | | | | | | | | | | | | Period 7 (2022-2023) | | | | | | | | | | | | Period 8 (2024-2025) | | | | | | | | | | | | Period 9 (2026-2027) | | | | | | | | | | | | Period 10 (2028-2029) | | | | | | | | | | | | Period 11 (2030-2031) | | | | | | | | | | | | Period 12 (2032-2033) | | | | | | | | | | | | Period 13 (2034-2035) | | | | | | | | | | | | Period 14 (2036-2037) | | | | | | | | | | | | Period 15 (2038-2039) | | | | | | | | | | | | Period 16 (2040-2041) | | | | | | | | | | | | Period 17 (2042-2043) | | | | | | | | | | | | Period 18 (2044-2045) | | | | | | | | | | | | Period 19 (2046-2047) | | | | | | | | | | | | Period 20 (2048-2049) | | | | | | | | | | | | Period 21 (2050-2051) | | | | | | | | | | | | Period 22 (2052-2053) | | | | | | | | | | | | Period 23 (2054-2055) | | | | | | | | | | | | Period 24 (2056-2057) | | | | | | | | | | | | Period 25 (2058-2059) | | | | | | | | | | | | Period 26 (2060-2061) | | | | | | | | | | | | Period 27 (2062-2063) | | | | | | | | | | | | Period 28 (2064-2065) | | | | | | | | | | | | Period 29 (2066-2067) | | | | | | | | | | | | Period 30 (2068-2069) | | | | | | | | | | | | Period 31 (2070-2071) | | | | | | | | | | | | Period 32 (2072-2073) | | | | | | | | | | | | Period 33 (2074-2075) | | | | | | | | | | | | Period 34 (2076-2077) | | | | | | | | | | | | Period 35 (2078-2079) | | | | | | | | | | | | Period 36 (2080-2081) | | | | | | | | | | | | Period 37 (2082-2083) | | | | | | | | | | | | Period 38 (2084-2085) | | | | | | | | | | | | Period 39 (2086-2087) | | | | | | | | | | | | Period 40 (2088-2089) | | | | | | | | | | | | Period 41 (2090-2091) | | | | | | | | | | | | Period 42 (2092-2093) | | | | | | | | | | | | Period 43 (2094-2095) | | | | | | | | | | | | Period 44 (2096-2097) | | | | | | | | | | | | Period 45 (2098-2099) | | | | | | | | | | | | Period 46 (2100-2101) | | | | | | | | | | | | Period 47 (2102-2103) | | | | | | | | | | | | Period 48 (2104-2105) | | | | | | | | | | | | Period 49 (2106-2107) | | | | | | | | | | | | Period 50 (2108-2109) | | | | | | | | | | | | Period 51 (2110-2111) | | | | | | | | | | | | Period 52 (2112-2113) | | | | | | | | | | | | Period 53 (2114-2115) | | | | | | | | | | | | Period 54 (2116-2117) | | | | | | | | | | | | Period 55 (2118-2119) | | | | | | | | | | | | Period 56 (2120-2121) | | | | | | | | | | | | Period 57 (2122-2123) | | | | | | | | | | | | Period 58 (2124-2125) | | | | | | | | | | | | Period 59 (2126-2127) | | | | | | | | | | | | Period 60 (2128-2129) | | | | | | | | | | | | Period 61 (2130-2131) | | | | | | | | | | | | Period 62 (2132-2133) | | | | | | | | | | | | Period 63 (2134-2135) | | | | | | | | | | | | Period 64 (2136-2137) | | | | | | | | | | | | Period 65 (2138-2139) | | | | | | | | | | | | Period 66 (2140-2141) | | | | | | | | | | | | Period 67 (2142-2143) | | | | | | | | | | | | Period 68 (2144-2145) | | | | | | | | | | | | Period 69 (2146-2147) | | | | | | | | | | | | Period 70 (2148-2149) | | | | | | | | | | | | Period 71 (2150-2151) | | | | | | | | | | | | Period 72 (2152-2153) | | | | | | | | | | | | Period 73 (2154-2155) | | | | | | | | | | | | Period 74 (2156-2157) | | | | | | | | | | | | Period 75 (2158-2159) | | | | | | | | | | | | Period 76 (2160-2161) | | | | | | | | | | | | Period 77 (2162-2163) | | | | | | | | | | | | Period 78 (2164-2165) | | | | | | | | | | | | Period 79 (2166-2167) | | | | | | | | | | | | Period 80 (2168-2169) | | | | | | | | | | | | Period 81 (2170-2171) | | | | | | | | | | | | Period 82 (2172-2173) | | | | | | | | | | | | Period 83 (2174-2175) | | | | | | | | | | | | Period 84 (2176-2177) | | | | | | | | | | | | Period 85 (2178-2179) | | | | | | | | | | | | Period 86 (2180-2181) | | | | | | | | | | | | Period 87 (2182-2183) | | | | | | | | | | | | Period 88 (2184-2185) | | | | | | | | | | | | Period 89 (2186-2187) | | | | | | | | | | | | Period 90 (2188-2189) | | | | | | | | | | | | Period 91 (2190-2191) | | | | | | | | | | | | Period 92 (2192-2193) | | | | | | | | | | | | Period 93 (2194-2195) | | | | | | | | | | | | Period 94 (2196-2197) | | | | | | | | | | | | Period 95 (2198-2199) | | | | | | | | | | | | Period 96 (2200-2201) | | | | | | | | | | | | Period 97 (2202-2203) | | | | | | | | | | | | Period 98 (2204-2205) | | | | | | | | | | | | Period 99 (2206-2207) | | | | | | | | | | | | Period 100 (2208-2209) | | | | | | | | | | | | Period 101 (2210-2211) | | | | | | | | | | | | Period 102 (2212-2213) | | | | | | | | | | | | Period 103 (2214-2215) | | | | | | | | | | | | Period 104 (2216-2217) | | | | | | | | | | | | Period 105 (2218-2219) | | | | | | | | | | | | Period 106 (2220-2221) | | | | | | | | | | | | Period 107 (2222-2223) | | | | | | | | | | | | Period 108 (2224-2225) | | | | | | | | | | | | Period 109 (2226-2227) | | | | | | | | | | | | Period 110 (2228-2229) | | | | | | | | | | | | Period 111 (2230-2231) | | | | | | | | | | | | Period 112 (2232-2233) | | | | | | | | | | | | Period 113 (2234-2235) | | | | | | | | | | | | Period 114 (2236-2237) | | | | | | | | | | | | Period 115 (2238-2239) | | | | | | | | | | | | Period 116 (2240-2241) | | | | | | | | | | | | Period 117 (2242-2243) | | | | | | | | | | | | Period 118 (2244-2245) | | | | | | | | | | | | Period 119 (2246-2247) | | | | | | | | | | | | Period 120 (2248-2249) | | | | | | | | | | | | Period 121 (2250-2251) | | | | | | | | | | | | Period 122 (2252-2253) | | | | | | | | | | | | Period 123 (2254-2255) | | | | | | | | | | | | Period 124 (2256-2257) | | | | | | | | | | | | Period 125 (2258-2259) | | | | | | | | | | | | Period 126 (2260-2261) | | | | | | | | | | | | Period 127 (2262-2263) | | | | | | | | | | | | Period 128 (2264-2265) | | | | | | | | | | | | Period 129 (2266-2267) | | | | | | | | | | | | Period 130 (2268-2269) | | | | | | | | | | | | Period 131 (2270-2271) | | | | | | | | | | | | Period 132 (2272-2273) | | | | | | | | | | | | Period 133 (2274-2275) | | | | | | | | | | | | Period 134 (2276-2277) | | | | | | | | | | | | Period 135 (2278-2279) | | | | | | | | | | | | Period 136 (2280-2281) | | | | | | | | | | | | Period 137 (2282-2283) | | | | | | | | | | | | Period 138 (2284-2285) | | | | | | | | | | | | Period 139 (2286-2287) | | | | | | | | | | | | Period 140 (2288-2289) | | | | | | | | | | | | Period 141 (2290-2291) | | | | | | | | | | | | Period 142 (2292-2293) | | | | | | | | | | | | Period 143 (2294-2295) | | | | | | | | | | | | Period 144 (2296-2297) | | | | | | | | | | | | Period 145 (2298-2299) | | | | | | | | | | | | Period 146 (2300-2301) | | | | | | | | | | | | Period 147 (2302-2303) | | | | | | | | | | | | Period 148 (2304-2305) | | | | | | | | | | | | Period 149 (2306-2307) | | | | | | | | | | | | Period 150 (2308-2309) | | | | | | | | | | | | Period 151 (2310-2311) | | | | | | | | | | | | Period 152 (2312-2313) | | | | | | | | | | | | Period 153 (2314-2315) | | | | | | | | | | | | Period 154 (2316-2317) | | | | | | | | | | | | Period 155 (2318-2319) | | | | | | | | | | | | Period 156 (2320-2321) | | | | | | | | | | | | Period 157 (2322-2323) | | | | | | | | | | | | Period 158 (2324-2325) | | | | | | | | | | | | Period 159 (2326-2327) | | | | | | | | | | | | Period 160 (2328-2329) | | | | | | | | | | | | Period 161 (2330-2331) | | | | | | | | | | | | Period 162 (2332-2333) | | | | | | | | | | | | Period 163 (2334-2335) | | | | | | | | | | | | Period 164 (2336-2337) | | | | | | | | | | | | Period 165 (2338-2339) | | | | | | | | | | | | Period 166 (2340-2341) | | | | | | | | | | | | Period 167 (2342-2343) | | | | | | | | | | | | Period 168 (2344-2345) | | | | | | | | | | | | Period 169 (2346-2347) | | | | | | | | | | | | Period 170 (2348-2349) | | | | | | | | | | | | Period 171 (2350-2351) | | | | | | | | | | | | Period 172 (2352-2353) | | | | | | | | | | | | Period 173 (2354-2355) | | | | | | | | | | | | Period 174 (2356-2357) | | | | | | | | | | | | Period 175 (2358-2359) | | | | | | | | | | | | Period 176 (2360-2361) | | | | | | | | | | | | Period 177 (2362-2363) | | | | | | | | | | | | Period 178 (2364-2365) | | | | | | | | | | | | Period 179 (2366-2367) | | | | | | | | | | | | Period 180 (2368-2369) | | | | | | | | | | | | Period 181 (2370-2371) | | | | | | | | | | | | Period 182 (2372-2373) | | | | | | | | | | | | Period 183 (2374-2375) | | | | | | | | | | | | Period 184 (2376-2377) | | | | | | | | | | | | Period 185 (2378-2379) | | | | | | | | | | | | Period 186 (2380-2381) | | | | | | | | | | | | Period 187 (2382-2383) | | | | | | | | | | | | Period 188 (2384-2385) | | | | | | | | | | | | Period 189 (2386-2387) | | | | | | | | | | | | Period 190 (2388-2389) | | | | | | | | | | | | Period 191 (2390-2391) | | | | | | | | | | | | Period 192 (2392-2393) | | | | | | | | | | | | Period 193 (2394-2395) | | | | | | | | | | | | Period 194 (2396-2397) | | | | | | | | | | | | Period 195 (2398-2399) | | | | | | | | | | | | Period 196 (2400-2401) | | | | | | | | | | | | Period 197 (2402-2403) | | | | | | | | | | | | Period 198 (2404-2405) | | | | | | | | | | | | Period 199 (2406-2407) | | | | | | | | | | | | Period 200 (2408-2409) | | | | | | | | | | | | Period 201 (2410-2411) | | | | | | | | | | | | Period 202 (2412-2413) | | | | | | | | | | | | Period 203 (2414-2415) | | | | | | | | | | | | Period 204 (2416-2417) | | | | | | | | | | | | Period 205 (2418-2419) | | | | | | | | | | | | Period 206 (2420-2421) | | | | | | | | | | | | Period 207 (2422-2423) | | | | | | | | | | | | Period 208 (2424-2425) | | | | | | | | | | | | Period 209 (2426-2427) | | | | | | | | | | | | Period 210 (2428-2429) | | | | | | | | | | | | Period 211 (2430-2431) | | | | | | | | | | | | Period 212 (2432-2433) | | | | | | | | | | | | Period 213 (2434-2435) | | | | | | | | | | | | Period 214 (2436-2437) | | | | | | | | | | | | Period 215 (2438-2439) | | | | | | | | | | | | Period 216 (2440-2441) | | | | | | | | | | | | Period 217 (2442-2443) | | | | | | | | | | | | Period 218 (2444-2445) | | | | | | | | | | | | Period 219 (2446-2447) | | | | | | | | | | | | Period 220 (2448-2449) | | | | | | | | | | | | Period 221 (2450-2451) | | | | | | | | | | | | Period 222 (2452-2453) | | | | | | | | | | | | Period 223 (2454-2455) | | | | | | | | | | | | Period 224 (2456-2457) | | | | | | | | | | | | Period 225 (2458-2459) | | | | | | | | | | | | Period 226 (2460-2461) | | | | | | | | | | | | Period 227 (2462-2463) | | | | | | | | | | | | Period 228 (2464-2465) | | | | | | | | | | | | Period 229 (2466-2467) | | | | | | | | | | | | Period 230 (2468-2469) | | | | | | | | | | | | Period 231 (2470-2471) | | | | | | | | | | | | Period 232 (2472-2473) | | | | | | | | | | | | Period 233 (2474-2475) | | | | | | | | | | | | Period 234 (2476-2477) | | | | | | | | | | | | Period 235 (2478-2479) | | | | | | | | | | | | Period 236 (2480-2481) | | | | | | | | | | | | Period 237 (2482-2483) | | | | | | | | | | | | Period 238 (2484-2485) | | | | | | | | | | | | Period 239 (2486-2487) | | | | | | | | | | | | Period 240 (2488-2489) | | | | | | | | | | | | Period 241 (2490-2491) | | | | | | | | | | | | Period 242 (2492-2493) | | | | | | | | | | | | Period 243 (2494-2495) | | | | | | | | | | | | Period 244 (2496-2497) | | | | | | | | | | | | Period 245 (2498-2499) | | | | | | | | | | | | Period 246 (2500-2501) | | | | | | | | | | | | Period 247 (2502-2503) | | | | | | | | | | | | Period 248 (2504-2505) | | | | | | | | | | | | Period 249 (2506-2507) | | | | | | | | | | | | Period 250 (2508-2509) | | | | | | | | | | | | Period 251 (2510-2511) | | | | | | | | | | | | Period 252 (2512-2513) | | | | | | | | | | | | Period 253 (2514-2515) | | | | | | | | | | | | Period 254 (2516-2517) | | | | | | | | | | | | Period 255 (2518-2519) | | | | | | | | | | | | Period 256 (2520-2521) | | | | | | | | | | | | Period 257 (2522-2523) | | | | | | | | | | | | Period 258 (2524-2525) | | | | | | | | | | | | Period 259 (2526-2527) | | | | | | | | | | | | Period 260 (2528-2529) | | | | | | | | | | | | Period 261 (2530-2531) | | | | | | | | | | | | Period 262 (2532-2533) | | | | | | | | | | | | Period 263 (2534-2535) | | | | | | | | | | | | Period 264 (2536-2537) | | | | | | | | | | | | Period 265 (2538-2539) | | | | | | | | | | | | Period 266 (2540-2541) | | | | | | | | | | | | Period 267 (2542-2543) | | | | | | | | | | | | Period 268 (2544-2545) | | | | | | | | | | | | Period 269 (2546-2547) | | | | | | | | | | | | Period 270 (2548-2549) | | | | | | | | | | | | Period 271 (2550-2551) | | | | | | | | | | | | Period 272 (2552-2553) | | | | | | | | | | | | Period 273 (2554-2555) | | | | | | | | | | | | Period 274 (2556-2557) | | | | | | | | | | | | Period 275 (2558-2559) | | | | | | | | | | | | Period 276 (2560-2561) | | | | | | | | | | | | Period 277 (2562-2563) | | | | | | | | | | | | Period 278 (2564-2565) | | | | | | | | | | | | Period 279 (2566-2567) | | | | | | | | | | | | Period 280 (2568-2569) | | | | | | | | | | | | Period 281 (2570-2571) | | | | | | | | | | | | Period 282 (2572-2573) | | | | | | | | | | | | Period 283 (2574-2575) | | | | | | | | | | | | Period 284 (2576-2577) | | | | | | | | | | | | Period 285 (2578-2579) | | | | | | | | | | | | Period 286 (2580-2581) | | | | | | | | | | | | Period 287 (2582-2583) | | | | | | | | | | | | Period 288 (2584-2585) | | | | | | | | | | | | Period 289 (2586-2587) | | | | | | | | | | | | Period 290 (2588-2589) | | | | | | | | | | | | Period 291 (2590-2591) | | | | | | | | | | | | Period 292 (2592-2593) | | | | | | | | | | | | Period 293 (2594-2595) | | | | | | | | | | | | Period 294 (2596-2597) | | | | | | | | | | | | Period 295 (2598-2599) | | | | | | | | | | | | Period 296 (2600-2601) | | | | | | | | | | | | Period 297 (2602-2603) | | | | | | | | | | | | Period 298 (2604-2605) | | | | | | | | | | | | Period 299 (2606-2607) | | | | | | | | | | | | Period 300 (2608-2609) | | | | | | | | | | | | Period 301 (2610-2611) | | | | | | | | | | | | Period 302 (2612-2613) | | | | | | | | | | | | Period 303 (2614-2615) | | | | | | | | | | | | Period 304 (2616-2617) | | | | | | | | | | | | Period 305 (2618-2619) | | | | | | | | | | | | Period 306 (2620-2621) | | | | | | | | | | | | Period 307 (2622-2623) | | | | | | | | | | | | Period 308 (2624-2625) | | | | | | | | | | | | Period 309 (2626-2627) | | | | | | | | | | | | Period 310 (2628-2629) | | | | | | | | | | | | Period 311 (2630-2631) | | | | | | | | | | | | Period 312 (2632-2633) | | | | | | | | | | | | Period 313 (2634-2635) | | | | | | | | | | | | Period 314 (2636-2637) | | | | | | | | | | | | Period 315 (2638-2639) | | | | | | | | | | | | Period 316 (2640-2641) | | | | | | | | | | | | Period 317 (2642-2643) | | | | | | | | | | | | Period 318 (2644-2645) | | | | | | | | | | | | Period 319 (2646-2647) | | | | | | | | | | | | Period 320 (2648-2649) | | | | | | | | | | | | Period 321 (2650-2651) | | | | | | | | | | | | Period 322 (2652-2653) | | | | | | | | | | | | Period 323 (2654-2655) | | | | | | | | | | | | Period 324 (2656-2657) | | | | | | | | | | | | Period 325 (2658-2659) | | | | | | | | | | | | Period 326 (2660-2661) | | | | | | | | | | | | Period 327 (2662-2663) | | | | | | | | | | | | Period 328 (2664-2665) | | | | | | | | | | | | Period 329 (2666-2667) | | | | | | | | | | | | Period 330 (2668-2669) | | | | | | | | | | | | Period 331 (2670-2671) | | | | | | | | | | | | Period 332 (2672-2673) | | | | | | | | | | | | Period 333 (2674-2675) | | | | | | | | | | | | Period 334 (2676-2677) | | | | | | | | | | | | Period 335 (2678-2679) | | | | | | | | | | | | Period 336 (2680-2681) | | | | | | | | | | | | Period 337 (2682-2683) | | | | | | | | | | | | Period 338 (2684-2685) | | | | | | | | | | | | Period 339 (2686-2687) | | | | | | | | | | | | Period 340 (2688-2689) | | | | | | | | | | | | Period 341 (2690-2691) | | | | | | | | | | | | Period 342 (2692-2693) | | | | | | | | | | | | Period 343 (2694-2695) | | | | | | | | | | | | Period 344 (2696-2697) | | | | | | | | | | | | Period 345 (2698-2699) | | | | | | | | | | | | Period 346 (2700-2701) | | | | | | | | | | | | Period 347 (2702-2703) | | | | | | | | | | | | Period 348 (2704-2705) | | | | | | | | | | | | Period 349 (2706-2707) | | | | | | | | | | | | Period 350 (2708-2709) | | | | | | | | | | | | Period 351 (2710-2711) | | | | | | | | | | | | Period 352 (2712-2713) | | | | | | | | | | | | Period 353 (2714-2715) | | | | | | | | | | | | Period 354 (2716-2717) | | | | | | | | | | | | Period 355 (2718-2719) | | | | | | | | | | | | Period 356 (2720-2721) | | | | | | | | | | | | Period 357 (2722-2723) | | | | | | | | | | | | Period 358 (2724-2725) | | | | | | | | | | | | Period 359 (2726-2727) | | | | | | | | | | | | Period 360 (2728-2729) | | | | | | | | | | | | Period 361 (2730-2731) | | | | | | | | | | | | Period 362 (2732-2733) | | | | | | | | | | | | Period 363 (2734-2735) | | | | | | | | | | | | Period 364 (2736-2737) | | | | | | | | | | | | Period 365 (2738-2739) | | | | | | | | | | | | Period 366 (2740-2741) | | | | | | | | | | | | Period 367 (2742-2743) | | | | | | | | | | | | Period 368 (2744-2745) | | | | | | | | | | | | Period 369 (2746-2747) | | | | | | | | | | | | Period 370 (2748-2749) | | | | | | | | | | | | Period 371 (2750-2751) | | | | | | | | | | | | Period 372 (2752-2753) | | | | | | | | | | | | Period 373 (2754-2755) | | | | | | | | | | | | Period 374 (2756-2757) | | | | | | | | | | | | Period 375 (2758-2759) | | | | | | | | | | | | Period 376 (2760-2761) | | | | | | | | | | | | Period 377 (2762-2763) | | | | | | | | | | | | Period 378 (2764-2765) | | | | | | | | | | | | Period 379 (2766-2767) | | | | | | | | | | | | Period 380 (2768-2769) | | | | | | | | | | | | Period 381 (2770-2771) | | | | | | | | | | | | Period 382 (2772-2773) | | | | | | | | | | | | Period 383 (2774-2775) | | | | | | | | | | | | Period 384 (2776-2777) | | | | | | | | | | | | Period 385 (2778-2779) | | | | | | | | | | | | Period 386 (2780-2781) | | | | | | | | | | | | Period 387 (2782-2783) | | | | | | | | | | | | Period 388 (2784-2785) | | | | | | | | | | | | Period 389 (2786-2787) | | | | | | | | | | | | Period 390 (2788-2789) | | | | | | | | | | | | Period 391 (2790-2791) | | | | | | | | | | | | Period 392 (2792-2793) | | | | | | | | | | | | Period 393 (2794-2795) | | | | | | | | | | | | Period 394 (2796-2797) | | | | | | | | | | | | Period 395 (2798-2799) | | | | | | | | | | | | Period 396 (2800-2801) | | | | | | | | | | | | Period 397 (2802-2803) | | | | | | | | | | | | Period 398 (2804-2805) | | | | | | | | | | | | Period 399 (2806-2807) | | | | | | | | | | | | Period 400 (2808-2809) | | | | | | | | | | | | Period 401 (2810-2811) | | | | | | | | | | | | Period 402 (2812-2813) | | | | | | | | | | | | Period 403 (2814-2815) | | | | | | | | | | | | Period 404 (2816-2817) | | | | | | | | | | | | Period 405 (2818-2819) | | | | | | | | | | | | Period 406 (2820-2821) | | | | | | | | | | | | Period 407 (2822-2823) | | | | | | | | | | | | Period 408 (2824-2825) | | | | | | | | | | | | Period 409 (2826-2827) | | | | | | | | | | | | Period 410 (2828-2829) | | | | | | | | | | | | Period 411 (2830-2831) | | | | | | | | | | | | Period 412 (2832-2833) | | | | | | | | | | | | Period 413 (2834-2835) | | | | | | | | | | | | Period 414 (2836-2837) | | | | | | | | | | | | Period 415 (2838-2839) | | | | | | | | | | | | Period 416 (2840-2841) | | | | | | | | | | | | Period 417 (2842-2843) | | | | | | | | | | | | Period 418 (2844-2845) | | | | | | | | | | | | Period 419 (2846-2847) | | | | | | | | | | | | Period 420 (2848-2849) | | | | | | | | | | | | Period 421 (2850-2851) | | | | | | | | | | | | Period 422 (2852-2853) | | | | | | | | | | | | Period 423 (2854-2855) | | | | | | | | | | | | Period 424 (2856-2857) | | | | | | | | | | | | Period 425 (2858-2859) | | | | | | | | | | | | Period 426 (2860-2861) | | | | | | | | | | | | Period 427 (2862-2863) | | | | | | | | | | | | Period 428 (2864-2865) | | | | | | | | | | | | Period 429 (2866-2867) | | | | | | | | | | | | Period 430 (2868-2869) | | | | | | | | | | | | Period 431 (2870-2871) | | | | | | | | | | | | Period 432 (2872-2873) | | | | | | | | | | | | Period 433 (2874-2875) | | | | | | | | | | | | Period 434 (2876-2877) | | | | | | | | | | | | Period 435 (2878-2879) | | | | | | | | | | | | Period 436 (2880-2881) | | | | | | | | | | | | Period 437 (2882-2883) | | | | | | | | | | | | Period 438 (2884-2885) | | | | | | | | | | | | Period 439 (2886-2887) | | | | | | | | | | | | Period 440 (2888-2889) | | | | | | | | | | | | Period 441 (2890-2891) | | | | | | | | | | | | Period 442 (2892-2893) | | | | | | | | | | | | Period 443 (2894-2895) | | | | | | | | | | | | Period 444 (2896-2897) | | | | | | | | | | | | Period 445 (2898-2899) | | | | | | | | | | | | Period 446 (2900-2901) | | | | | | | | | | | | Period 447 (2902-2903) | | | | | | | | | | | | Period 448 (2904-2905) | | | | | | | | | | | | Period 449 (2906-2907) | | | | | | | | | | | | Period 450 (2908-2909) | | | | | | | | | | | | Period 451 (2910-2911) | | | | | | | | | | | | Period 452 (2912-2913) | | | | | | | | | | | | Period 453 (2914-2915) | | | | | | | | | | | | Period 454 (2916-2917) | | | | | | | | | | | | Period 455 (2918-2919) | | | | | | | | | | | | Period 456 (2920-2921) | | | | | | | | | | | | Period 457 (2922-2923) | | | | | | | | | | | | Period 458 (2924-2925) | | | | | | | | | | | | Period 459 (2926-2927) | | | | | | | | | | | | Period 460 (2928-2929) | | | | | | | | | | | | Period 461 (2930-2931) | | | | | | | | | | | | Period 462 (2932-2933) | | | | | | | | | | | | Period 463 (2934-2935) | | | | | | | | | | | | Period 464 (2936-2937) | | | | | | | | | | | | Period 465 (2938-2939) | | | | | | | | | | | | Period 466 (2940-2941) | | | | | | | | | | | | Period 467 (2942-2943) | | | | | | | | | | | | Period 468 (2944-2945) | | | | | | | | | | | | Period 469 (2946-2947) | | | | | | | | | | | | Period 470 (2948-2949) | | | | | | | | | | | | Period 471 (2950-2951) | | | | | | | | | | | | Period 472 (2952-2953) | | | | | | | | | | | | Period 473 (2954-2955) | | | | | | | | | | | | Period 474 (2956-2957) | | | | | | | | | | | | Period 475 (2958-2959) | | | | | | | | | | | | Period 476 (2960-2961) | | | | | | | | | | | | Period 477 (2962-2963) | | | | | | | | | | | | Period 478 (2964-2965) | | | | | | | | | | | | Period 479 (2966-2967) | | | | | | | | | | | | Period 480 (2968-2969) | | | | | | | | | | | | Period 481 (2970-2971) | | | | | | | | | | | | Period 482 (2972-2973) | | | | | | | | | | | | Period 483 (2974-2975) | | | | | | | | | | | | Period 484 (2976-2977) | | | | | | | | | | | | Period 485 (2978-2979) | | | | | | | | | | | | Period 486 (2980-2981) | | | | | | | | | | | | Period 487 (2982-2983) | | | | | | | | | | | | Period 488 (2984-2985) | | | | | | | | | | | | Period 489 (2986-2987) | | | | | | | | | | | | Period 490 (2988-2989) | | | | | | | | | | | | Period 491 (2990-2991) | | | | | | | | | | | | Period 492 (2992-2993) | | | | | | | | | | | | Period 493 (2994-2995) | | | | | | | | | | | | Period 494 (2996-2997) | | | | | | | | | | | | Period 495 (2998-2999) | | | | | | | | | | | | Period 496 (3000-3001) | | | | | | | | | | | | Period 497 (3002-3003) | | | | | | | | | | | | Period 498 (3004-3005) | | | | | | | | | | | | Period 499 (3006-3007) | | | | | | | | | | | | Period 500 (3008-3009) | | | | | | | | | | | | Period 501 (3010-3011) | | | | | | | | | | | | Period 502 (3012-3013) | | | | | | | | | | | | Period 503 (3014-3015) | | | | | | | | | | | | Period 504 (3016-3017) | | | | | | | | | | | | Period 505 (3018-3019) | | | | | | | | | | | | Period 506 (3020-3021) | | | | | | | | | | | | Period 507 (3022-3023) | | | | | | | | | | | | Period 508 (3024-3025) | | | | | | | | | | | | Period 509 (3026-3027) | | | | | | | | | | | | Period 510 (3028-3029) | | | | | | | | | | | | Period 511 (3030-3031) | | | | | | | | | | | | Period 512 (3032-3033) | | | | | | | | | | | | Period 513 (3034-3035) | | | | | | | | | | | | Period 514 (3036-3037) | | | | | | | | | | | | Period 515 (3038-3039) | | | | | | | | | | | | Period 516 (3040-3041) | | | | | | | | | | | | Period 517 (3042-3043) | | | | | | | | | | | | Period 518 (3044-3045) | | | | | | | | | | | | Period 519 (3046-3047) | | | | | | | | | | | | Period 520 (3048-3049) | | | | | | | | | | | |
|--------|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|--------|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Индекс | Содержание | Тип |
|---------------|--|-----|
| УК-1 | Способен осуществлять поиск, критический анализ и синтез информации, применять системный подход для решения поставленных задач | УК |
| УК-1.1 | Определяет информацию, требуемую для решения поставленных задач | - |
| УК-1.2 | Осуществляет поиск информации для решения поставленных задач по типам запросов | - |
| УК-1.3 | Рассматривает возможные варианты решения поставленных задач, оценивает их | - |
| Б1.О.01 | Ботаника | |
| Б1.О.08 | Зоология | |
| Б1.О.15 | Математика | |
| Б1.О.18 | Философия | |
| Б1.О.21 | Маркетинг и менеджмент | |
| Б2.О.01 | Учебная практика | |
| Б2.О.01.01(У) | Учебная практика (по ботанике) | |
| Б2.О.01.02(У) | Учебная практика (по зоологии) | |
| Б2.О.01.04(У) | Учебная практика (ознакомительная (в том числе получение первичных навыков научно-исследовательской работы)) | |
| Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-2 | Способен определять круг задач в рамках поставленной цели и выбирать оптимальные способы их решения, исходя из действующих правовых норм, имеющихся ресурсов и ограничений | УК |
| УК-2.1 | Определяет круг задач в рамках поставленной цели, определяет соотношения между ними | - |
| УК-2.2 | Предлагает способы решения поставленных задач, оценивает предложенные способы | - |
| УК-2.3 | Реализует задачи с учётом имеющихся ресурсов и ограничений, действующих правовых норм | - |
| Б1.О.03 | Основы проектной деятельности | |
| Б1.О.12 | Правоведение | |
| Б1.О.17 | Экология и охрана окружающей среды | |
| Б2.О.01 | Учебная практика | |
| Б2.О.01.04(У) | Учебная практика (ознакомительная (в том числе получение первичных навыков научно-исследовательской работы)) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-3 | Способен осуществлять социальное взаимодействие и реализовывать свою роль в команде | УК |
| УК-3.1 | Определяет свою роль в социальном взаимодействии и командной работе для достижения поставленной цели | - |
| УК-3.2 | Учитывает интересы других участников при реализации своей роли в социальном взаимодействии и командной работе | - |
| УК-3.3 | Осуществляет обмен информацией между участниками команды с соблюдением установленных норм, правил и несёт ответственность за результат | - |
| Б1.О.02 | Культурология | |
| Б1.О.24 | Организационное поведение | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-4 | Способен осуществлять деловую коммуникацию в устной и письменной формах на государственном языке Российской Федерации и иностранном(ых) языке(ах) | УК |
| УК-4.1 | Ведёт деловую переписку на русском или иностранном языках с учётом особенностей стилистики писем | - |
| УК-4.2 | Выполняет перевод текстов с иностранного языка на русский, с русского языка на иностранный | - |
| УК-4.3 | Выступает на русском или иностранном языках с учётом аудитории и цели общения | - |
| Б1.О.05 | Русский язык и культура речи | |
| Б1.О.07 | Иностранный язык | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-5 | Способен воспринимать межкультурное разнообразие общества в социально-историческом, этическом и философском контекстах | УК |

| | | |
|---------------|--|----|
| УК-5.1 | Находит и использует необходимую для саморазвития информацию о культурных особенностях и традициях разных социальных групп | - |
| УК-5.2 | Демонстрирует уважительное отношение к историческому наследию и социокультурным традициям социальных групп | - |
| УК-5.3 | Умеет конструктивно взаимодействовать с людьми с учетом их социокультурных особенностей в целях успешного выполнения профессиональных задач | - |
| Б1.О.02 | Культурология | |
| Б1.О.04 | Социология | |
| Б1.О.11 | История (история России, всеобщая история) | |
| Б1.О.18 | Философия | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-6 | Способен управлять своим временем, выстраивать и реализовывать траекторию саморазвития на основе принципов образования в течение всей жизни | УК |
| УК-6.1 | Использует методы и инструменты управления временем при выполнении задач и при достижении поставленных целей | - |
| УК-6.2 | Оценивает требования рынка труда и предложения образовательных услуг для определения траектории профессионального роста | - |
| УК-6.3 | Строит карьеру и определяет стратегию профессионального развития | - |
| Б1.О.06 | Физическая культура и спорт | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-7 | Способен поддерживать должный уровень физической подготовленности для обеспечения полноценной социальной и профессиональной деятельности | УК |
| УК-7.1 | Выбирает технологии для поддержания здорового образа жизни с учётом особенностей организма | - |
| УК-7.2 | Планирует своё время для оптимального сочетания своей физической и умственной нагрузки | - |
| УК-7.3 | Соблюдает нормы здорового образа жизни в жизненных ситуациях и несёт его в массы | - |
| Б1.О.06 | Физическая культура и спорт | |
| Б1.В.ДВ.11.01 | Общая физическая подготовка | |
| Б1.В.ДВ.11.02 | Спортивные игры | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-8 | Способен создавать и поддерживать в повседневной жизни и в профессиональной деятельности безопасные условия жизнедеятельности для сохранения природной среды, обеспечения устойчивого развития общества, в том числе при угрозе и возникновении чрезвычайных ситуаций и военных конфликтов | УК |
| УК-8.1 | Обеспечивает создание и поддержание в повседневной жизни и в профессиональной деятельности безопасные условия жизнедеятельности с целью сохранения природной среды | - |
| УК-8.2 | Выявляет и устраняет проблемы, связанные с нарушениями техники безопасности на рабочем месте | - |
| УК-8.3 | Осуществляет действия по предотвращению возникновения чрезвычайных ситуаций (природного и техногенного происхождения) на рабочем месте, в т.ч. с помощью средств защиты | - |
| Б1.О.17 | Экология и охрана окружающей среды | |
| Б1.О.30 | Безопасность жизнедеятельности | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-9 | Способен принимать обоснованные экономические решения в различных областях жизнедеятельности | УК |
| УК-9.1 | Понимает базовые знания функционирования экономики в различных областях жизнедеятельности | - |
| УК-9.2 | Применяет методы экономического планирования для достижения определённых целей | - |
| УК-9.3 | Использует экономические инструменты для управления финансами и контроля экономических рисков | - |
| Б1.О.25 | Экономика | |
| Б1.О.28 | Экономика и организация производства сельскохозяйственных и пищевых предприятий | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| УК-10 | Способен формировать нетерпимое отношение к проявлениям экстремизма, терроризма, коррупционному поведению и противодействовать им в профессиональной деятельности | УК |
| УК-10 .1 | Анализирует законодательство, обеспечивающее борьбу с экстремизмом, терроризмом и коррупцией в различных областях жизнедеятельности, а также способы профилактики экстремизма, терроризма, коррупции и формирования нетерпимого отношения к ним | - |

| | | |
|---------------|---|-----|
| УК-10 .2 | Проявляет готовность к организации и участию в мероприятиях, обеспечивающих противодействие экстремизму, терроризму и коррупции в человеческом обществе | - |
| УК-10 .3 | Соблюдает правила общественного правопорядка на основе нетерпимого отношения к экстремизму, терроризму и коррупции | - |
| Б1.О.12 | Правоведение | |
| Б1.О.25 | Экономика | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-1 | Способен решать типовые задачи профессиональной деятельности на основе знаний основных законов математических, естественнонаучных и общепрофессиональных дисциплин с применением информационно-коммуникационных технологий; | ОПК |
| ОПК-1.1 | Решает типовые задачи профессиональной деятельности | - |
| ОПК-1.2 | Использует основные законы естественнонаучных дисциплин для решения стандартных задач в области профессиональной деятельности | - |
| ОПК-1.3 | Применяет информационно-коммуникационные технологии для решения стандартных задач в области профессиональной деятельности | - |
| Б1.О.01 | Ботаника | |
| Б1.О.09 | Физика | |
| Б1.О.10 | Информатика | |
| Б1.О.13 | Микробиология | |
| Б1.О.14 | Химия | |
| Б1.О.15 | Математика | |
| Б1.О.16 | Физиология растений | |
| Б1.О.19 | Генетика растений и животных | |
| Б1.О.20 | Основы ветеринарии и биотехника размножения животных | |
| Б1.О.21 | Маркетинг и менеджмент | |
| Б1.О.22 | Биохимия сельскохозяйственной продукции | |
| Б1.О.27 | Морфология и физиология сельскохозяйственных животных | |
| Б1.О.29 | Агрометеорология | |
| Б1.О.31 | Механизация и автоматизация технологических процессов растениеводства и животноводства | |
| Б2.О.01 | Учебная практика | |
| Б2.О.01.01(У) | Учебная практика (по ботанике) | |
| Б2.О.01.02(У) | Учебная практика (по зоологии) | |
| Б2.О.01.03(У) | Учебная практика (морфология и физиология сельскохозяйственных животных) | |
| Б2.О.01.04(У) | Учебная практика (ознакомительная (в том числе получение первичных навыков научно-исследовательской работы)) | |
| Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ФТД.В.01 | Пользователь электронной информационно-образовательной среды | |
| ФТД.В.02 | Технология производства продуктов детского питания | |
| ОПК-2 | Способен использовать нормативные правовые акты и оформлять специальную документацию в профессиональной деятельности; | ОПК |
| ОПК-2.1 | Использует проектную, нормативную правовую, нормативно-техническую и научно-исследовательскую документацию для получения сведений, необходимых в профессиональной деятельности | - |
| ОПК-2.2 | Владеет методами поиска и анализа нормативных правовых документов для осуществления профессиональной деятельности | - |
| ОПК-2.3 | Оформляет специальную документацию в профессиональной деятельности | - |
| Б1.О.12 | Правоведение | |
| Б1.О.20 | Основы ветеринарии и биотехника размножения животных | |
| Б1.О.35 | Стандартизация и подтверждение соответствия сельскохозяйственной продукции | |
| Б2.О.01 | Учебная практика | |
| Б2.О.01.04(У) | Учебная практика (ознакомительная (в том числе получение первичных навыков научно-исследовательской работы)) | |

| | | | |
|-------|---------------|---|-----|
| | Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-3 | | Способен создавать и поддерживать безопасные условия выполнения производственных процессов; | ОПК |
| | ОПК-3.1 | Создает безопасные условия труда на основе действующей нормативной документации | - |
| | ОПК-3.2 | Проводит профилактические мероприятия по предупреждению производственного травматизма и профессиональных заболеваний | - |
| | ОПК-3.3 | Выявляет и устраняет проблемы, нарушающие безопасность выполнения производственных процессов | - |
| | Б1.О.17 | Экология и охрана окружающей среды | |
| | Б1.О.32 | Процессы и аппараты пищевых производств | |
| | Б1.О.33 | Оборудование перерабатывающих производств | |
| | Б2.О.01 | Учебная практика | |
| | Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-4 | | Способен реализовывать современные технологии и обосновывать их применение в профессиональной деятельности; | ОПК |
| | ОПК-4.1 | Обосновывает использование современных технологий в профессиональной деятельности | - |
| | ОПК-4.2 | Использует и анализирует справочные материалы, современные технологии поиска, обработки, хранения и использования профессионально значимой информации | - |
| | ОПК-4.3 | Реализует современные технологии в профессиональной деятельности | - |
| | Б1.О.31 | Механизация и автоматизация технологических процессов растениеводства и животноводства | |
| | Б1.О.32 | Процессы и аппараты пищевых производств | |
| | Б1.О.33 | Оборудование перерабатывающих производств | |
| | Б1.О.34 | Сооружения и оборудование для хранения сельскохозяйственной продукции | |
| | Б2.О.01 | Учебная практика | |
| | Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-5 | | Способен к участию в проведении экспериментальных исследований в профессиональной деятельности; | ОПК |
| | ОПК-5.1 | Участвует в проведении и оформлении результатов экспериментальных исследований в профессиональной деятельности | - |
| | ОПК-5.2 | Использует средства и методы работы с нормативно-техническими, библиографическими и архивными источниками | - |
| | ОПК-5.3 | Использует методологию анализа данных экспериментальных исследований в профессиональной деятельности | - |
| | Б1.О.23 | Основы научных исследований | |
| | Б1.О.26 | Земледелие с основами почвоведения и агрохимии | |
| | Б1.О.35 | Стандартизация и подтверждение соответствия сельскохозяйственной продукции | |
| | Б2.О.01 | Учебная практика | |
| | Б2.О.01.03(У) | Учебная практика (морфология и физиология сельскохозяйственных животных) | |
| | Б2.О.01.04(У) | Учебная практика (ознакомительная (в том числе получение первичных навыков научно-исследовательской работы)) | |
| | Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-6 | | Способен использовать базовые знания экономики и определять экономическую эффективность в профессиональной деятельности. | ОПК |
| | ОПК-6.1 | Демонстрирует и использует базовые знания экономики в сфере сельскохозяйственного производства | - |
| | ОПК-6.2 | Способен обоснованно выбирать методы определения экономической эффективности в соответствии с задачами профессиональной деятельности | - |
| | ОПК-6.3 | Определяет экономическую эффективность в профессиональной деятельности | - |
| | Б1.О.21 | Маркетинг и менеджмент | |
| | Б1.О.25 | Экономика | |

| | | |
|---------------|--|-----|
| Б1.О.28 | Экономика и организация производства сельскохозяйственных и пищевых предприятий | |
| Б2.О.01 | Учебная практика | |
| Б2.О.01.05(У) | Учебная практика (технологическая) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ОПК-7 | Способен понимать принципы работы современных информационных технологий и использовать их для решения задач профессиональной деятельности | ОПК |
| ОПК-7.1 | Понимает принципы работы информационных технологий | - |
| ОПК-7.2 | Способен обоснованно выбирать современное программное обеспечение в соответствии с задачами профессиональной деятельности | - |
| ОПК-7.3 | Применяет информационные технологии при решении профессиональных задач и оценивает результаты их использования | - |
| Б1.О.10 | Информатика | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-1 | Способен к организации научно-исследовательской деятельности, направленной на совершенствование технологических и производственных процессов в животноводстве и растениеводстве | - |
| ПК-1.1 | Использует знания по основам и организации научно-исследовательской деятельности | - |
| ПК-1.2 | Планирует организацию научно-исследовательской деятельности | - |
| ПК-1.3 | Использует навыки организации научно-исследовательской деятельности, направленной на совершенствование технологических и производственных процессов в животноводстве и растениеводстве | - |
| Б1.В.01 | Технология органических продуктов | |
| Б1.В.02 | Товароведение и экспертиза товаров | |
| Б1.В.07 | Методы исследования молочных и мясных продуктов | |
| Б1.В.11 | Санитария и гигиена на перерабатывающих предприятиях | |
| Б1.В.ДВ.01.01 | Введение в профессиональную деятельность | |
| Б1.В.ДВ.01.02 | Концептуальные основы здорового питания и основные требования к продуктам питания | |
| Б1.В.ДВ.02.01 | Основы патентоведения и библиографии | |
| Б1.В.ДВ.02.02 | Теоретические основы селекции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-2 | Способен разрабатывать системы мероприятий по повышению эффективности производства продукции растениеводства | - |
| ПК-2.1 | Обосновывает влияние природных и хозяйственных факторов на распределение сорняков болезней и вредителей, влияние агротехнических мероприятий на распространение вредителей болезней и сорняков, требования к охране труда в сельском хозяйстве. | - |
| ПК-2.2 | Планирует и составляет схемы севооборотов с соблюдением научно-обоснованных принципах чередования культур, определять сроки, способы и темпы уборки урожая сельскохозяйственных культур, обеспечивающие сохранность продукции от потерь и ухудшения качества, соблюдать требования природо-охранного законодательства РФ при производстве продукции растениеводства. | - |
| ПК-2.3 | Разрабатывает и планирует экологически обоснованной интегрированной системой защиты растений с учетом прогноза развития вредных объектов и фактического фитосанитарного состояния посевов для предотвращения потерь урожая от болезней, вредителей и сорняков, общий контроль реализации технологического процесса производства продукции растениеводства в соответствии с разработанными технологиями возделываниями сельскохозяйственных культур | - |
| Б1.В.06 | Кормопроизводство и приготовление кормов | |
| Б1.В.11 | Санитария и гигиена на перерабатывающих предприятиях | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б1.В.14 | Технохимический контроль сельскохозяйственного сырья и продуктов переработки | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |

| | | |
|---------------|--|---|
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-3 | Способен организовывать испытания селекционных достижений в животноводстве и растениеводстве | - |
| ПК-3.1 | Формулирует регламент принятия решения по заявке на выдачу патента на селекционные достижения, порядок ведения государственного реестра селекционных достижений, допущенных к использованию, формы и структуру описания сортов, пород и видов, впервые включаемых в государственный реестр селекционных достижений, допущенных к использованию в сельском хозяйстве. | - |
| ПК-3.2 | Разрабатывает оценки отличия, однородности и стабильности сортов, пород и видов в соответствии с действующими методиками испытаний, производить морфофизиологическую и иммунно-генетическую оценку в растениеводстве и животноводстве. Определять показатели качества продукции в растениеводстве и животноводстве требующих физико-химических, органолептических и микробиологических анализов. | - |
| ПК-3.3 | Формулирует и группирует навыками оценивания отличия, однородности и стабильности сорта, породы и видов в соответствии с действующими методиками испытаний, проведения морфофизиологических и иммунно-генетических исследований в растениеводстве и животноводстве, навыками определения качества продукции в растениеводстве и животноводстве требующих физико-химических, органолептических и микробиологических анализов. | - |
| Б1.В.06 | Кормопроизводство и приготовление кормов | |
| Б1.В.07 | Методы исследования молочных и мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.02.01 | Основы патентования и библиографии | |
| Б1.В.ДВ.02.02 | Теоретические основы селекции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-4 | Способен организовывать производственную деятельность по производству, хранению и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-4.1 | Использовать требования технической документации к производству и переработки сельскохозяйственной продукции. | - |
| ПК-4.2 | Организовывает выполнение работ и контроль их качества в соответствии с их требованиями технической документации; проводить количественную и качественную приемку продукции, вести учет сельскохозяйственной продукции; планировать улучшение качества продукции. Проводить проверку исправности технологического оборудования, количественную и качественную проверку поступающих материальных ресурсов (сырья, материалов, полуфабрикатов), составлять заявки на техническое обслуживание и ремонт производственного оборудования, контролировать качество выполнения работ. | - |
| ПК-4.3 | Формирует навыки организации и проведения производственно-технологической деятельности | - |
| Б1.В.02 | Товароведение и экспертиза товаров | |
| Б1.В.11 | Санитария и гигиена на перерабатывающих предприятиях | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б1.В.ДВ.03.01 | Технология масла и спредов | |
| Б1.В.ДВ.03.02 | Основы разведения сельскохозяйственных животных и птиц | |
| Б1.В.ДВ.04.01 | Технология производства нетрадиционной молочной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.02 | Технология производства нетрадиционных мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.01 | Технология и технологические линии при производстве мяса и мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.02 | Технология и технологические линии при производстве молока и молочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.06.01 | Технология сыра в условиях Красноярского края | |
| Б1.В.ДВ.06.02 | Технология переработки свинины | |
| Б1.В.ДВ.07.01 | Производственный учет и отчетность в молочной промышленности | |

| | | |
|---------------|--|---|
| Б1.В.ДВ.07.02 | Производственный учет и отчетность в мясной промышленности | |
| Б1.В.ДВ.08.01 | Технология переработки кожевенного сырья | |
| Б1.В.ДВ.08.02 | Технология переработки яиц и мяса птицы | |
| Б1.В.ДВ.09.01 | Продукты переработки сои в питании человека | |
| Б1.В.ДВ.09.02 | Технология цельномолочных продуктов | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-5 | Способен планировать и выполнять мероприятия в сфере производства, хранения и переработки продукции растениеводства и животноводства | - |
| ПК-5.1 | Контролирует требования нормативно - технической документации к организации производства, качеству и безопасности с.-х. продукции. | - |
| ПК-5.2 | Способен оформлять и вести учетно-отчетную документацию по производству растениеводческой и животноводческой продукции, в том числе в электронном виде, определять объем работы по технологическим операциям, учитывать экономическую эффективность производства, хранения, переработки с.-х. продукции. | - |
| ПК-5.3 | Демонстрирует навыками планирования в сфере производства, хранения и переработки продукции растениеводства и животноводства | - |
| Б1.В.01 | Технология органических продуктов | |
| Б1.В.06 | Кормопроизводство и приготовление кормов | |
| Б1.В.10 | Биохимия молока и мяса | |
| Б1.В.11 | Санитария и гигиена на перерабатывающих предприятиях | |
| Б1.В.12 | Технология продуктов функционального назначения | |
| Б1.В.16 | Технология пищевых полуфабрикатов | |
| Б1.В.ДВ.01.01 | Введение в профессиональную деятельность | |
| Б1.В.ДВ.01.02 | Концептуальные основы здорового питания и основные требования к продуктам питания | |
| Б1.В.ДВ.03.01 | Технология масла и спредов | |
| Б1.В.ДВ.03.02 | Основы разведения сельскохозяйственных животных и птиц | |
| Б1.В.ДВ.04.01 | Технология производства нетрадиционной молочной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.02 | Технология производства нетрадиционных мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.01 | Технология и технологические линии при производстве мяса и мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.02 | Технология и технологические линии при производстве молока и молочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.06.01 | Технология сыра в условиях Красноярского края | |
| Б1.В.ДВ.06.02 | Технология переработки свинины | |
| Б1.В.ДВ.08.01 | Технология переработки кожевенного сырья | |
| Б1.В.ДВ.08.02 | Технология переработки яиц и мяса птицы | |
| Б1.В.ДВ.09.01 | Продукты переработки сои в питании человека | |
| Б1.В.ДВ.09.02 | Технология цельномолочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.10.01 | Технология производства и переработки продукции пчеловодства | |
| Б1.В.ДВ.10.02 | Технология производства и переработки рыбы и рыбной продукции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |

| | | | |
|------|---------------|--|---|
| | Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-6 | | Способен участвовать в проведение научных исследований по общепринятым методикам, составлять их описание и формулировать выводы | - |
| | ПК-6.1 | Владеет общепринятыми методиками проведения научных исследований в сфере производства, хранения и переработки продукции растениеводства и животноводства. | - |
| | ПК-6.2 | Организует и участвует в проведении научных исследований по обще-принятым методикам, осу-ществляет обобщение и ста-тистическую обработку ре-зультатов опытов, формули-рует выводы. | - |
| | ПК-6.3 | Выбирает оптимальные навыками общепринятых методик в проведении научных исследований в сфере производства, хранения и переработки продукции растениеводства и животноводства | - |
| | Б1.В.05 | Радиобиология с основами радиационной гигиены | |
| | Б1.В.07 | Методы исследования молочных и мясных продуктов | |
| | Б2.В.01 | Производственная практика | |
| | Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| | Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| | Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| | Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-7 | | Способен решать задачи в области развития науки, техники и технологии с учетом нормативного правового регулирования в сфере интеллектуальной собственности | - |
| | ПК-7.1 | Выбирает основные задачи в области развития науки, техники и технологии с учетом нормативного правового регулирования в сфере интеллектуальной собственности | - |
| | ПК-7.2 | Возможность решать задачи, связанные с выбором способов и распо-ряжения правами на резуль-таты в области развития науки, техники и технологии с учетом нормативного правового регулирования интеллектуальной деятель-ности, и осуществляет рас-поряжение такими правами, включая введение таких прав в гражданский оборот. | - |
| | ПК-7.3 | Принимает решения в области развития науки, техники и технологии с учетом нормативного пра-вового регулирования в сфере интеллектуальной собственности | - |
| | Б1.В.02 | Товароведение и экспертиза товаров | |
| | Б1.В.ДВ.02.01 | Основы патентоведения и библиографии | |
| | Б1.В.ДВ.02.02 | Теоретические основы селекции | |
| | Б2.В.01 | Производственная практика | |
| | Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| | Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| | Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| | Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-8 | | Способен реализовывать технологии производства продукции растениеводства | - |
| | ПК-8.1 | Организует способы реализации технологии производства продукции растениеводства | - |
| | ПК-8.2 | Реализует технологии производства продукции растениеводства | - |
| | ПК-8.3 | Владеет навыками реализации технологий про-изводства продукции растениеводства | - |
| | Б1.В.03 | Производство продукции растениеводства | |
| | Б1.В.09 | Технология хранения и переработки продукции растениеводства | |
| | Б2.В.01 | Производственная практика | |
| | Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| | Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| | Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| | Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| | Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |

| | | |
|---------------|---|---|
| ПК-9 | Способен реализовывать цифровые технологии в производстве продукции животноводства | - |
| ПК-9.1 | Владеет и контролирует способами реализации технологии производства продукции животноводства | - |
| ПК-9.2 | Реализует технологии производства продукции животноводства | - |
| ПК-9.3 | Разрабатывает и группирует навыками реализации технологий производства продукции животноводства | - |
| Б1.В.04 | Производство продукции животноводства | |
| Б1.В.08 | Технология хранения и переработки продуктов животноводства в условиях цифровизации АПК | |
| Б1.В.10 | Биохимия молока и мяса | |
| Б1.В.12 | Технология продуктов функционального назначения | |
| Б1.В.15 | Технологические добавки для молочной и мясной промышленности | |
| Б1.В.16 | Технология пищевых полуфабрикатов | |
| Б1.В.ДВ.04.01 | Технология производства нетрадиционной молочной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.02 | Технология производства нетрадиционных мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.01 | Технология и технологические линии при производстве мяса и мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.02 | Технология и технологические линии при производстве молока и молочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.06.01 | Технология сыра в условиях Красноярского края | |
| Б1.В.ДВ.06.02 | Технология переработки свинины | |
| Б1.В.ДВ.10.01 | Технология производства и переработки продукции пчеловодства | |
| Б1.В.ДВ.10.02 | Технология производства и переработки рыбы и рыбной продукции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-10 | Способен обосновать режимы хранения сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-10.1 | Демонстрирует режимы хранения сельскохозяйственной продукции. | - |
| ПК-10.2 | Организует и обосновывает режимы хранения сельскохозяйственной продукции. | - |
| ПК-10.3 | Демонстрирует знания и режимы хранения сельскохозяйственной продукции. | - |
| Б1.В.08 | Технология хранения и переработки продуктов животноводства в условиях цифровизации АПК | |
| Б1.В.09 | Технология хранения и переработки продукции растениеводства | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-11 | Способен организовать работы коллектива подразделения сельскохозяйственного предприятия | - |
| ПК-11.1 | Организует работу коллектива подразделения сельскохозяйственного предприятия. | - |
| ПК-11.2 | Способен формировать и структурировать работу в подразделении | - |
| ПК-11.3 | Владеет навыками организации работы коллектива подразделения сельскохозяйственного предприятия. | - |
| Б1.В.03 | Производство продукции растениеводства | |
| Б1.В.04 | Производство продукции животноводства | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |

| | | |
|---------------|--|---|
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-12 | Способен принимать управленческие решения по реализации технологий производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции в различных экономических и погодных условиях | - |
| ПК-12.1 | Планирует управленческие решения по реализации технологий производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции в различных экономических и погодных условиях | - |
| ПК-12.2 | Выбирает оптимальные методы организации работы коллектива подразделения сельскохозяйственного предприятия. Планирует и организует работу коллектива подразделения перерабатывающих и пищевых предприятий | - |
| ПК-12.3 | Выбирает оптимальные способы организации производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| Б1.В.04 | Производство продукции животноводства | |
| Б1.В.05 | Радиобиология с основами радиационной гигиены | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-13 | Способен осуществлять контроль за соблюдением технологической и трудовой дисциплины | - |
| ПК-13.1 | Контролировать технологические линии производства перерабатывающих предприятий и лабораторий | - |
| ПК-13.2 | Принимает решения в осуществлении производственных процессах при осуществлении деятельности. | - |
| ПК-13.3 | Обладает навыками и правилами по контролю и ведению нормативной документации | - |
| Б1.В.14 | Технохимический контроль сельскохозяйственного сырья и продуктов переработки | |
| Б1.В.ДВ.07.01 | Производственный учет и отчетность в молочной промышленности | |
| Б1.В.ДВ.07.02 | Производственный учет и отчетность в мясной промышленности | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-14 | Способен реализовывать технологии переработки и хранения продукции растениеводства | - |
| ПК-14.1 | Разрабатывает способы реализации технологии переработки и хранения продукции растениеводства. | - |
| ПК-14.2 | Реализует технологии переработки и хранения продукции растениеводства. | - |
| ПК-14.3 | Владеет навыками реализации технологии переработки и хранения продукции растениеводства | - |
| Б1.В.03 | Производство продукции растениеводства | |
| Б1.В.06 | Кормопроизводство и приготовление кормов | |
| Б1.В.09 | Технология хранения и переработки продукции растениеводства | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |

| | | |
|---------------|---|---|
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-15 | Способен реализовывать технологии переработки и хранения продукции животноводства | - |
| ПК-15.1 | Демонстрирует способы реализации технологии переработки и хранения продукции животноводства | - |
| ПК-15.2 | Реализует технологии переработки и хранения продукции животноводства. | - |
| ПК-15.3 | Контролирует технологии переработки и хранения продукции животноводства. | - |
| Б1.В.08 | Технология хранения и переработки продуктов животноводства в условиях цифровизации АПК | |
| Б1.В.10 | Биохимия молока и мяса | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.01 | Технология производства нетрадиционной молочной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.02 | Технология производства нетрадиционных мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.01 | Технология и технологические линии при производстве мяса и мясных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.05.02 | Технология и технологические линии при производстве молока и молочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.06.01 | Технология сыра в условиях Красноярского края | |
| Б1.В.ДВ.06.02 | Технология переработки свинины | |
| Б1.В.ДВ.08.01 | Технология переработки кожевенного сырья | |
| Б1.В.ДВ.08.02 | Технология переработки яиц и мяса птицы | |
| Б1.В.ДВ.09.01 | Продукты переработки сои в питании человека | |
| Б1.В.ДВ.09.02 | Технология цельномолочных продуктов | |
| Б1.В.ДВ.10.01 | Технология производства и переработки продукции пчеловодства | |
| Б1.В.ДВ.10.02 | Технология производства и переработки рыбы и рыбной продукции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ФТД.В.02 | Технология производства продуктов детского питания | |
| ПК-16 | Способен осуществлять контроль качества и безопасность сельскохозяйственного сырья и продуктов его переработки | - |
| ПК-16.1 | Оперативное управление осуществления контроля качества и безопасность сельскохозяйственного сырья и продуктов его переработки | - |
| ПК-16.2 | Возможность осуществлять контроль качества и безопасность сельскохозяйственного сырья и продуктов его переработки | - |
| ПК-16.3 | Обладает навыками осуществления контроля качества и безопасность сельскохозяйственного сы-рья и продуктов его перера-ботки | - |
| Б1.В.02 | Товароведение и экспертиза товаров | |
| Б1.В.11 | Санитария и гигиена на перерабатывающих предприятиях | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б1.В.14 | Технохимический контроль сельскохозяйственного сырья и продуктов переработки | |
| Б1.В.15 | Технологические добавки для молочной и мясной промышленности | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |

| | | |
|---------------|---|---|
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ФТД.В.02 | Технология производства продуктов детского питания | |
| ПК-17 | Способен организовывать производство сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-17.1 | Способны организовать производства сельскохозяйственной продук-ции | - |
| ПК-17.2 | Возможность организовывать производство сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-17.3 | Обладать навыками организации производство сельскохозяйственной продукции | - |
| Б1.В.03 | Производство продукции растениеводства | |
| Б1.В.04 | Производство продукции животноводства | |
| Б1.В.06 | Кормопроизводство и приготовление кормов | |
| Б1.В.08 | Технология хранения и переработки продуктов животноводства в условиях цифровизации АПК | |
| Б1.В.09 | Технология хранения и переработки продукции растениеводства | |
| Б1.В.ДВ.04.01 | Технология производства нетрадиционной молочной продукции | |
| Б1.В.ДВ.04.02 | Технология производства нетрадиционных мясных продуктов | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ФТД.В.02 | Технология производства продуктов детского питания | |
| ПК-18 | Способен организовать хранение и переработку сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-18.1 | Использует знания и способы организации хранения и переработки сельскохозяйственной про-дукции | - |
| ПК-18.2 | Организует и планирует хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-18.3 | Использует навыки организации хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| Б1.В.09 | Технология хранения и переработки продукции растениеводства | |
| Б1.В.12 | Технология продуктов функционального назначения | |
| Б1.В.13 | Основы биотехнологии переработки сельскохозяйственной продукции | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |
| ПК-19 | Способен определить экономическую эффективность производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-19.1 | Разработка способов определения экономической эффективности производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| ПК-19.2 | Планирование и определение экономической эффективности производства, хранения и переработки сельскохозяйственной про-дукции | - |
| ПК-19.3 | Определение экономической эффективности производства, хранения и переработки сельскохозяйственной продукции | - |
| Б1.В.01 | Технология органических продуктов | |
| Б1.В.02 | Товароведение и экспертиза товаров | |
| Б1.В.08 | Технология хранения и переработки продуктов животноводства в условиях цифровизации АПК | |
| Б1.В.12 | Технология продуктов функционального назначения | |
| Б1.В.15 | Технологические добавки для молочной и мясной промышленности | |

| | | |
|---------------|--|--|
| Б1.В.16 | Технология пищевых полуфабрикатов | |
| Б1.В.ДВ.07.01 | Производственный учет и отчетность в молочной промышленности | |
| Б1.В.ДВ.07.02 | Производственный учет и отчетность в мясной промышленности | |
| Б2.В.01 | Производственная практика | |
| Б2.В.01.01(П) | Производственная практика (по профилю подготовки) | |
| Б2.В.01.02(П) | Производственная практика (технологическая) | |
| Б2.В.01.03(П) | Производственная практика (научно-исследовательская работа) | |
| Б2.В.01.04(П) | Производственная практика (преддипломная) | |
| Б3.01(Д) | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы | |